उदयपुर में सर्वाधिक मतदान झाड़ोल में 68.67 प्रतिशत रहा

उदयपुर लोकसभा सीट पर 62.51 प्रतिशत मतदान हुआ

उदयपुर, (का.सं.)। प्रदेश में दूसरे चरण में सम्पन्न लोकसभा चुनाव के तहत शुक्रवार को उदयपुर लोकसभा सीट पर मतदान शांतिपूर्वक सम्पन्न हुआ। शाम 6 बजे तक उदयपुर संसदीय क्षेत्र में 62.51 प्रतिशत मतदान हुआ जिसमें सर्वाधिक झाड़ोल क्षेत्र में 68.67 प्रतिशत मतदान हुआ। इधर उदयपुर के सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल पदराड़ा में कमलेश पुत्र हीरालाल दर्जी का वोट कोई अन्य डाल गया। कमलेश दर्जी ने फर्जी वोटिंग का आरोप लगाते हुए उसका वोट डलवाने की मांग की।

- **नवविवाहित जोड़ा फेरे लेने के बाद मतदान करने पहुंचा तो वहीं सराड़ा क्षेत्र के लोग नदी पार कर नाव से वोट देने पहुंचे**

उदयपुर में असम के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया ने परिवार के साथ हाउसिंग बोर्ड मतदान केन्द्र पर मतदान किया।

उदयपुर संसदीय क्षेत्र में शाम 6 बजे मतदान समाप्ति पर गोगुन्दा में 61.2 प्रतिशत, झाड़ोल में 68.62 प्रतिशत, खेरवाड़ा में 60.26 प्रतिशत, उदयपुर ग्रामीण 65.20, उदयपुर शहर 64.10, सलूम्बर 57.2 प्रतिशित, धरियावद 65.11 व आसपुर में 58.4 प्रतिशत मतदान हुआ। कई पोलिंग बूथों पर शाम 6 बजे तक कतार को देखते हुए अंतिम आंकड़ों में संशोधन संभव है। गत लोकसभा चुनाव वर्ष 2019 में इस सीट पर 69.99 प्रतिशत मतदान हुआ था जो इस बार लगभग सात प्रतिशत मतदान कम हुआ है। उदयपुर संसदीय क्षेत्र के लिए शुक्रवार को मतदान की प्रक्रिया सुबह 7 बजे से शुरू हुई और शाम 6 बजे सम्पन्न हुई। मतदान को लेकर मतदाताओं में खासा उत्साह नजर आया। नवविवाहित जोड़ा फेरे लेने के बाद मतदान करने पहुंचा तो वहीं सराड़ा क्षेत्र के लोग नदी पार कर नाव से वोट देने पहुंचे। देबारी पंचायत का रहने वाला जितेंद्र वैष्णव की बारात वोट करने पहुंची। गाजे-बाजे से बारात वोट डालने पहुंची तो पोलिंग बूथ पर पूरा माहौल उत्साहित हो गया।

असम के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया परिवार सहित उदयपुर के हाउसिंग बोर्ड मतदान केंद्र पर मतदान करने पहुंचे। उदयपुर शहर के गुरु नानक पब्लिक स्कूल शास्त्री सर्कल पर मतदान करने के लिए पहुंचे उदयपुर लोकसभा के कांग्रेस प्रत्याशी ताराचंद मीणा परिवार के साथ लाइन में लगे। वहीं भाजपा प्रत्याशी मन्ना लाल रावत ने सेक्टर 14 स्थित नवजीवन पब्लिक स्कूल में सपरिवार मतदान किया।

अजमेर में मतदान दिवस पर मतदाताओं ने स्वेच्छा से ही निकलकर मतदान किया

भाजपा के बूथ मैनेजमेंट और कांग्रेस के बूथ मैनेजमेंट में काफी अंतर रहा

अजमेर, (कासं)। लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण का मतदान शुक्रवार शाम को 6 बजे सम्पन्न हो गया। अजमेर लोकसभा सीट से कुल 14 उम्मीदवार मैदान में है लेकिन भाजपा के भागीरथ चौधरी और कांग्रेस के रामचंद्र चौधरी के बीच सीधा ही रहा। पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा के भागीरथ चौधरी चार लाख से अधिक मतों से विजयी हुए थे। इस बार दोनों में अच्छी टक्कर मानी जा रही थी।

- **अजमेर में शांतिपूर्ण मतदान सम्पन्न, 59.22 प्रतिशत रहा मतदान**

अजमेर जिले में कई बूथों पर महिला मतदाताओं की भीड़ देखी गई।

मतदान दिवस पर भाजपा का बूथ मैनेजमेंट और कांग्रेस के बूथ मैनेजमेंट में काफी अंतर रहा। यही कारण है कि मतदाताओं ने स्वेच्छा से ही निकल कर मतदान किया है। वैसे पूरे चुनाव में किसी तरह का मुद्दा अथवा फैक्टर काम करता नहीं दिखा, जो कुछ दिखा वह यह कि मतदाता बहुत पहले से ही तय कर बैठा था कि इस बार किसे मत देकर आना है। सुबह सात बजे से शुरू हुआ मतदान शाम होते होते 59.22 के पास पहुंच गया। शाम पांच बजे तक करीब 52.38 प्रतिशत औसत मतदान अजमेर संसदीय क्षेत्र का दर्ज किया गया। इसके बाद मौसम का मिजाज बदलने और तापमान में गिरावट के कारण लोगों ने तेजी में घरों से मतदान केंद्रों की ओर कूच किया। शाम छह बजे तक शहरी और देहात के अनेक मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की लम्बी कतारें देखने को मिली हैं। भाजपा प्रत्याशी भागीरथ चौधरी ने किशनगढ़ में सरस्वती स्कूल में और कांग्रेस प्रत्याशी रामचंद्र चौधरी ने देवास गांव में अपने मताधिकार का प्रयोग किया। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने रामनगर से बूथ पर और विधायक अनीता भदेल ने भजन गंज स्थित बूथ पर मतदान किया। महिला मतदाताओं में भी काफी उत्साह देखा गया। एक महिला मतदाता तो अपने 5 महीने के बच्चे को लेकर बूथ पर पहुंची। अजमेर में किन्नर समुदाय ढोल की थाप पर नाचते गाते हुए घर से एक साथ मतदान केंद्र पर पहुंचकर मतदान किया।

भीलवाड़ा जिले में कई मतदान केंद्रों पर नवविवाहित जोड़ों ने वोट डाला

मतदाताओं ने उत्साह के साथ सेल्फी भी खिंचवाई

भीलवाड़ा, (निसं)। मतदान दिवस 26 अप्रेल को जिले के युवा, बुजुर्ग और महिला मतदाताओं ने उत्साह से लोकतंत्र के महापर्व में बढ़-चढ़कर भाग लिया। जिला प्रशासन के द्वारा मतदान बूथों के बाहर लगाये गए सेल्फी पॉइंट को लेकर मतदाताओं में खासा रुझान देखा गया। मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग करने के बाद उत्साह के साथ सेल्फी खिंचवाई और हस्ताक्षर भी किए। जिले के विभिन्न मतदान केंद्रों पर पारंपरिक वेशभूषा में पहुंची महिलाओं में मतदान के प्रति अपार उत्साह देखा गया। साथ ही जिले में कई मतदान केंद्रों पर नवविवाहित जोड़ों ने विवाह संबंधी रस्मों को पूरा कर वोट डालने की रस्म भी निभाई।

मतदान दिवस पर जिला निर्वाचन अधिकारी नमित मेहता सुबह से ही प्रबंधन को लेकर सक्रिय रहे। जिला निर्वाचन अधिकारी नमित मेहता तथा जिला पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यंत ने जिला मुख्यालय स्थित विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। सर्वप्रथम जिला निर्वाचन अधिकारी ने कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी स्थित मतदान केंद्र, कार्यालय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान स्थित 6 बूथों, जिला उद्योग केंद्र स्थित युवा प्रबंधित मतदान केंद्र सहित दो बूथों व एमएलवी टेक्सटाइल कॉलेज स्थित बूथ पर पहुंचकर मतदाताओं के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मतदान केंद्रों के निरीक्षण के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदाताओं से वार्तालाप कर मतदान के लिए जिला प्रशासन द्वारा की गई व्यवस्थाओं पर फीडबैक लिया। जिला निर्वाचन अधिकारी नमित मेहता तथा जिला पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यंत के निर्देशन में जिलेभर में किये गए पुख्ता प्रबंधन के चलते चुनावी कार्यो के लिए जिम्मेदार सभी अधिकारियों व कार्मिकों द्वारा

मतदान केंद्रों पर नवविवाहित जोड़ों ने विवाह संबंधी रस्मों को पूरा कर वोट डालने की रस्म भी निभाई।

105 वर्षीय महिला ने मतदान किया

बिजयनगर, (निसं)। अजमेर लोकसभा चुनाव शुक्रवार को पुलिस प्रशासन के व्यापक बंदोबस्त के बीच शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुए। प्रात: काल से ही शहर के 24 मतदान केंद्रों पर मतदाता अपने मत का प्रयोग करने के लिए पहुंचे।

मतदान की गति शुरुआत में काफी धीमी रही। दोनों प्रमुख दल भाजपा एव कांग्रेस कार्यकर्ता मतदान करवाने के लिए जुटे रहे। मतदान केंद्र पर मतदान करने के पश्चात मतदाताओं ने सेल्फी लेते हुए सोशल मीडिया पर वायरल किया। शहर के राजनगर क्षेत्र में 105 वर्षीय बुजुर्ग महिला रामप्यारी ने अपने परिजनों के साथ मतदान केंद्र पर पहुंचकर मतदान किया।

105 वर्षीय महिला रामप्यारी को मतदान के लिए ले जाते परिजन।

गुढा व सिनोदिया में मतदान का बहिष्कार

रूपनगढ़, (निसं)। रूपनगढ़ उपखंड के ग्राम गुढ़ा और सिनोदिया के अधिकांश ग्रामीणों ने आज लोकसभा चुनाव में अपना वोट नहीं डाला। दोनों गांवों के ग्रामीणों ने अपनी कतिपय मांगों को लेकर मतदान का बहिष्कार किया। मतदान करने के लिए प्रेरित करने हेतु रूपनगढ़ की तहसीलदार कीर्ति भारद्वाज दोनों गांवों में पहुंची लेकिन ग्रामीणों ने सड़क, बिजली, पानी और दूरस्थ गांवों की कथित अनदेखी का आरोप लगाते हुए मतदान नहीं करने की बात कही। सिनोदिया में आंशिक रूप से मतदान हुआ। दोनों ही गांवों के ग्रामीणों का कहना है कि उनके गांव के लिए ना तो पर्याप्त यातायात के साधन हैं और ना ही समय पर बिजली आती है। पीने के पानी व सड़कों की हालत खराब है। चुनावों के अलावा नेतागण कभी नहीं आते हैं और आते हैं तो प्रभावी तरीके से विकास कार्य नहीं कराते हैं। गांवों में चिकित्सा, स्वास्थ्य, शिक्षा आदि मुद्दे भी बहिष्कार का कारण है।

ग्रामीणों का मतदान केन्द्र पर हंगामा, मतदान रोका

प्रशासन ने मौके पर पहुंच ग्रामीणों से समझाइश की

बांसवाड़ा, (निस)। जिले में एक तरफ जहां मतदान का प्रतिशत 70 से अधिक रहा वहीं एक मतदान केन्द्र ऐसा भी रहा जहां सात सौ से अधिक मतदाता होने के बावजूद मात्र 7 मतदाता ही अपने मतदान का उपयोग कर सके। जिले के छोटी सरवन पंचायत समिति क्षेत्र के आड़ीभीत में केवल 7 लोगों ने ही मतदान किया।

- **दो सौ ग्रामीणों में से केवल 7 मतदाता ही कर सके मतदान**

ध्यान रहे कि न्यूक्लियर पावर प्लांट से प्रभावित लोग 29 सूत्रीय मांगों को लेकर लंबे समय से ज्ञापन दे रहे हैं लेकिन इनकी समस्याओं का समाधान नहीं हुआ। बताया जाता है कि मामला न्यायालय में लंबित है। लोगों के मतदान नहीं करने की सूचना मिलने पर जिले के आला प्रशासनिक एवं पुलिस अधीक्षक मौके पर पहुंचे और मौजूद लगभग 200 से 250 लोगों से मतदान की अपील की तथा लिखित में समस्याएं मांगीं। ग्रामीणों ने कहा कि, वे लंबे समय से अपनी मांगों को लेकर ज्ञापन देते आये हैं । ऐसे में नये ज्ञापन का कोई अर्थ नहीं है। लंबी समझाईश के बावजूद ग्रामीणों ने मतदान नहीं किया और एक-एक कर मौके से रवाना हो गए।

मौके पर पुलिस उप अधीक्षक सूर्यवीर सिंह, उपखंड अधिकारी प्रकाशचंद्र रैगर, तहसीलदार रेखा देवी, विकास अधिकारी भूपेन्द्र रावत आदि ने काफी समझाईश की। इधर ग्रामीणों ने पत्रकारों को कोई भी जानकारी देने से मना कर दिया। मतदान केन्द्र पर लगे कार्मिकों ने जनरेटर एवं अन्य व्यवस्थाएं भी की। इन लोगों का मानना था कि, यदि अंतिम समय में भी ग्रामीण मतदान करने आयेंगे तो मतदान करवाया जा सके। इधर अतिरिक्त जिला कलेक्टर अभिषेक गोयल ने बताया कि इस केन्द्र पर 7 लोगों ने मतदान किया।

कोटा-बूंदी लोकसभा क्षेत्र में 70 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ

कोटा (निसं)। कोटा बूंदी लोकसभा क्षेत्र में शांतिपूर्वक मतदान संपन्न हुआ है। अनुमानित तौर पर कोटा बूंदी लोकसभा क्षेत्र में करीब 70. 45 प्रतिशत मतदान का आंकड़ा सामने आ रहा है। कोटा बूंदी लोकसभा क्षेत्र में आठ विधानसभा क्षेत्र आते हैं।

विधानसभा क्षेत्रवाइज मतदान प्रतिशत के अनुमानित आंकड़े के अनुसार बूंदी विधानसभा क्षेत्र में 71.50 प्रतिशत,केशवरायपाटन विधानसभा क्षेत्र में 68.35 प्रतिशत, कोटा उत्तर विधानसभा क्षेत्र में 69.47 प्रतिशत , कोटा दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में 70.76 प्रतिशत, लाडपुरा विधानसभा क्षेत्र में 71.17 प्रतिशत, पीपलदा विधानसभा क्षेत्र में 65.35 प्रतिशत, रामगंज मंडी विधानसभा क्षेत्र में 74.12 प्रतिशत और सांगोद विधानसभा क्षेत्र में 72.17 प्रतिशत मतदान का अनुमानित आंकड़ा अभी तक सामने आया है। मतदान के प्रति उत्साह हैप्पी आवर्स में अधिक देखने को मिला। जिले में प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में महिला, युवा, दिव्यांग, हरित एवं विभिन्न थीम आधारित बूथ बनाकर उन्हें विशेष प्रकार से सुसज्जित किया गया। जिनका मतदाताओं में खासा आकर्षण रहा। इन बूथों पर मतदाताओं ने मतदान के बाद उत्साह के साथ फोटो खिचवाए और सेल्फी ली। बूथों पर मतदाताओं का पुष्प हार पहनाकर स्वागत किया गया। हैप्पी आवर्स में वोटिंग करने वाले मतदाताओं को प्रमाण पत्र दिए गए।

इन मतदाताओं के जज्बे को सलाम :- गुंजारा, लोढ़ाहेडा में 108 वर्षीय भूरी बाई मतदान केन्द्र पर व्हीलचेयर के माध्यम से पहुंचकर लोकतंत्र में अपनी सशक्त भागीदारी दर्ज कराई। इसी तरह दादाबाडी स्थित विद्या मंदिर स्कूल में मतदान केन्द्र पर 93 वर्ष की मतदाता महेंद्र कौर ने अपने मताधिकार का प्रयोग कर लोकतंत्र में अपनी जिम्मेदारी निभाई। विधानसभा क्षेत्र कोटा उत्तर में सूरजपोल के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बूथ नम्बर 180 पर 90 वर्ष की मतदाता शांति बाई मतदान बूथ पर पहुंची और जिम्मेदारी निभाई। तलवंडी स्थित मतदान केन्द्र पर अपने न्यू बोर्न बेबी के साथ पति-पत्नी पहुंचे जहां उन्होंने अपने मताधिकार के बाद सेल्फी बूथ पर न्यू बोर्न के साथ प्रसन्नता से फोटोशूट कराया।

सुल्तानपुर में युवती मुस्कान ने लोकतंत्र के प्रति अपनी बडी जिम्मेदारी समझते हुए विवाह रस्मों के बीच मताधिकार का प्रयोग किया। वह मेहंदी सजे हाथों से उत्साह के साथ बूथ पर पहुंची और मतदान किया।

लोकतंत्र के महोत्सव में किन्नर समुदाय ने भी भाग लिया। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा किन्नर समुदाय के मतदाताओं का मतदान केंद्र पर माला पहनकर अभिनंदन किया एवं उनको मतदान के लिए शुभकामनाएं भी दी। किन्नर समुदाय के मतदाता समूह में मतदान केंद्र पर पहुँचे एवं मतदान किया एवं सभी अन्य लोगों को सही उम्मीदवार चुनने के लिए प्रेरित किया। सेल्फी ली और मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित किया। मतदान केन्द्रों पर दिव्यांग एवं वरिष्ठजनों के लिए सुगम मतदान की आदर्श व्यवस्थाएं रहीं। मतदान बूथ पर दिव्यांग एवं वरिष्ठजन मित्रों ने दिव्यांग एवं वरिष्ठ मतदाताओं को सुगम एवं सरल तरीके से मतदान करने में सहायता की।

युवक ने शराब की दुकान के पीछे फांसी लगाई

बून्दी, (निसं)। बूंदी के तालेड़ा थाना क्षेत्र के बरुन्धन कस्बे में शुक्रवार को एक युवक ने शराब की दुकान के पीछे टीनशेड के पाइप से फांसी लगाकर जीवन लीला समाप्त कर ली। बरुंधन से नमाना रोड की और जाने वाली सड़क के किनारे लगे शराब की दुकान पर राहगीरों ने युवक को लटका देख गांव में सूचना दी जिस पर ग्रामीण व परिजन मौके पर पहुंचे व पुलिस को सूचना दी। सूचना पर तालेड़ा थाना पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शराब की दुकान के पीछे टीनशेड के पाइप से कपड़े की साफी से लटके रामचरण मीना (45) पुत्र चौथमल के शव को गांव के लोगों की सहायता से नीचे उतारा और जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया जहां परिजनों की मौजूदगी में शव का पोस्टमार्टम करा कर परिजनों को सौंपा। परिजनों को रामचरण द्वारा आत्महत्या करने पर भरोसा नहीं हो रहा है।

उन्होंने हत्या करने की संभावना जताई है। फांसी पर लटके युवक के सिर पर एक और दूसरी साफी बंधी हुई थी। दोनों पैर जमीन से हल्के से उठे हुए थे। पैरो में चप्पल पहन रखी थी। मुंह खुला हुआ था। मौके पर पुलिस उपाधीक्षक तरुण कांत सोमानी अधिकारी तालेड़ा थाना अधिकारी रामेश्वर जाट मय जाब्ता मौजूद रहे।

रामचरण के द्वारा आत्महत्या करने की परिजनों को हजम नहीं हो रही है। परिजनों ने पुलिस को बताया कि वह आत्महत्या नहीं कर सकता उसकी किसी ने हत्या कर लटकाया गया है। उन्होंने शराब की दुकान पर लगे सीसीटीवी कैमरे की जांच करने की मांग की है। लेकिन लोकसभा चुनाव के चलते शराब की दुकान को सील कर रखा है। हत्या की आशंका जताने पर मौके पर पहुंचे पुलिस उप अधीक्षक तरुण कांत सोमानी व थानाधिकारी रामेश्वर जाट ने घटना की जानकारी ली है तथा निष्पक्ष रूप से जांच करने का परिजनों को भरोसा दिलाया है। शराब की दुकान पर पुलिसकर्मी लगाए गए हैं तथा परिजनों का एक ताला शराब की दुकान पर लगाया गया है। मतदान समाप्त होने पर शराब की दुकान की सील तोड़कर सीसीटीवी कैमरे की जांच की जाएगी।

घर से चार दिन से था गायब :- पुलिस को परिजनों ने बताया कि वह 22 अप्रैल को घर से मोटरसाइकिल लेकर निकल गया था उसके बाद उसी दिन नमाना रोड पर शराब की दुकान के पास मोटरसाइकिल होने की जानकारी मृतक के पुत्र दीपक को मिलने पर मोटरसाइकिल लेकर आया था जब से मृतक की तलाश परिजन कर रहे थे। मृतक रामचरण के परिवार में उसके तीन पुत्रियां और एक पुत्र है। जिसमें एक पुत्री का विवाह हो गया है।

दुष्कर्मी गिरफ्तार

बीकानेर, (निसं)। सरकारी स्कूल की नाबालिग लड़की को शराब पिलाकर गैंगरेप करने के आरोपी को पुलिस ने अरेस्ट कर लिया है। लूणकरणसर पुलिस के अनुसार, रणजीत उर्फ बबलू नायक (26) पुत्र रामस्वरुप को गिरफ्तार किया है। वारदात में शामिल एक अन्य दुराचारी की तलाश जारी है। जानकारी के अनुसार दो दिन पूर्व रणजीत उर्फ बबलू और एक अन्य युवक ने नौवीं क्लास की सरकारी स्कूल की छात्रा का परीक्षा के बाद बस स्टैंड से अपहरण कर सुनसान क्षेत्र में ले जाकर जबरन शराब पिलाकर गैंगरेप किया था। वारदात के बाद आरोपी नाबालिग को रेलवे स्टेशन पर पटककर फरार हो गए थे।

खेतड़ी के उप जिला अस्पताल में मरीजों के स्वास्थ्य के साथ हो रहा खिलवाड़

कफ सिरप में फंगस जमा होने के बावजूद भी मरीजों को बांट दी

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी के राजकीय उप जिला अस्पताल में मरीजों के स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही होने का मामला सामने आया है। अस्पताल में कफ सिरप में फंगस जमा होने के बावजूद भी मरीजों को दवा बांट दी गई। इसके अलावा अस्पताल में पर्याप्त दवाईयां उपलब्ध नहीं होने के कारण अस्पताल में आने वाले मरीजों को बाहर से महंगी दवाइयां खरीद कर लानी पड़ रही हैं।

चिकित्सा विभाग की ओर से मौसमी बीमारियों को लेकर बेहतर चिकित्सा सुविधा मुहैया करवाने का दावा किया जा रहा है, लेकिन जमीनी सतर पर देखा जाए तो राजकीय उप जिला अस्पताल में चिकित्सा विभाग के दावे फेल होते नजर आ रहे हैं। जानकारी के अनुसार खेतड़ी उप जिला अस्पताल में सप्लाई में आने वाली कफ सिरप खत्म हो जाने पर अस्पताल प्रबंधन की ओर से अपने स्तर पर कफ सिरप खरीदी गई थी। इस दौरान कफ सिरप खरीदने के बाद मरीजो को नहीं दी गई। जब गुरुवार को कफ सिरप बाहर से खरीदने पर कुछ लोगों ने विरोध जताया तो अस्पताल प्रभारी ने आनन-फानन में स्टोर से निकलवाकर कफ सिरप मरीजों को बांटने के निर्देश दिए। इसके बाद जो कफ सिरप मरीज को बांटी गई, उसमें फंगस जमा हुआ था। इस दौरान करीब 50 मरीजों को फंगस जमी हुई कफ सिरप वितरित कर दी गई।

फंगस लगी हुई कफ सिरप।

एक तरफ चिकित्सा विभाग की ओर से मौसमी बीमारियों व हिटवेव को देखते हुए अलग से वार्ड व बेहतर व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए जा रहे हैं, लेकिन राजकीय उप जिला अस्पताल में प्रबंधन की लापरवाही के चलते मरीजों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। जब अस्पताल में आने वाले मरीज को दवाइयां लेने के लिए दवाई कक्ष में जाना होता है तो पर्ची पर अधिकांश दवाइयां में अनुपलब्ध की मोहर लगा दी जाती है। इसके बाद मरीज को बाहर से महंगी दवाइयां खरीद कर अपना उपचार करवाना पड़ रहा है। वर्तमान समय में मौसमी बीमारियों के चलते उल्टी, दस्त के मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है। इसके बावजूद भी अस्पताल में दस्त के उपचार के लिए काम आने वाली ग्लूकोज की बोतल भी मरीज को मुहैया नहीं करवाई जा रही है जो बीमार मरीज को अपने इलाज के लिए बाहर से खरीद कर लानी पड़ रही है। जब कफ सिरप में फंगस होने की बात उजागर हुई तो अस्पताल प्रभारी की ओर से मामले को दबाने का प्रयास किया गया तथा फंगस लगी कफ सिरप को दवाई कक्ष से हटाकर वापस स्टोर रूम में भिजवा दिया।

- **अस्पताल में पर्याप्त दवाईयां उपलब्ध नहीं होने के कारण मरीजों को बाहर से महंगी दवाइयां खरीद कर लानी पड़ रही है**
- **स्वास्थ्य विभाग की बेहतर व्यवस्था के दावे फेल**

डॉ. अक्षय कुमार शर्मा, पीएमओ उप जिला अस्पताल खेतड़ी का कहना है कि कफ सिरप टैंडर प्रक्रिया के अनुसार खरीद की गई थी, फंगस होने की मेरे को जानकारी नहीं है। वहीं डॉ. विनय गहलोत, सीएमएचओ नीमकाथाना का कहना है कि खेतड़ी उप जिला अस्पताल में फंगस की कफ सिरप वितरण कर देने की जानकारी आपके माध्यम से मिली है। इसकी जांच करवाई जाएगी तथा जो भी लापरवाही सामने आई है उसकी प्रभावी कार्रवाई की जाएगी।